जनसत्ता ब्यूरो, नई दलि्ली□ कांग्रेस ने राहुल गांधी को प्रधानमंत्री पद का दावेदार घोषति कयि□ जाने की संभावना से इनकार नहीं कयिा है□ कांग्रेस ने यह संकेत दग्जिवयि सहि सहति पार्टी नेताओं के वरिोधाभासी बयानों की पृष्ठभूमि में दयिा है□

अगले लोकसभा चुनाव के पहले राहुल को प्रधानमंत्री पद का दावेदार घोषति कयि□ जाने के संबंध में पार्टी की आधकिारकि स्थति के सवाल पर पार्टी महासचवि अजय माकन ने सोमवार को कहा कि इसका अभी तक फैसला नहीं कयिा गया है□ जब इसका फैसला हो जा□गा, आपको जानकारी हो जा□गी□ वहीं सूचना और प्रसारण मंत्री मनीष तवािरी ने इस संबंध में अलग राय व्यक्त करते हु□ कहा कि प्रधानमंत्री मनमोहन सहि, कांग्रेस अध्यक्ष सोनयिा गांधी और राहुल गांधी की ‘त्रमिूर्ति’ 2014 में पार्टी का नेतृत्व करेगी□ तवािरी ने कहा कि मनमोहन सहि प्रधानमंत्री हैं, सोनयिा गांधी यूपी□ की अध्यक्ष हैं□ हमारे पास राहुल गांधी के रूप में युवा नेता हैं, जनिसे युवा अपना जु□ाव महसूस करते हैं□ यह त्रमिूर्ति 2014 में कांग्रेस का नेतृत्व करेगी□ तवािरी ने कहा कि कुछ ऐसे खास लोग हैं जो □जंडा को आगे ब□ाने में दलिचस्पी रखते हैं□ वे कांग्रेस पार्टी के कामकाज के तरीके की मूलभूत बातों को नहीं समझते□ राहुल गांधी को प्रधानमंत्री पद का दावेदार बनाने के मुद्दे पर कांग्रेस के दो महासचविों दग्विजिय सहि और जर्नादन द्ववविदी के परस्पर वरिोधाभासी बयानों के सवालों पर माकन और तवािरी जवाब दे रहे थे□

दग्विजिय सहि ने संकेत दयिा था कि चुनाव के पहले राहुल को प्रधानमंत्री पद का दावेदार बनाने की संभावना नहीं है□ लेकनि द्ववविदी ने शनविार को दग्विजिय सहि की टप्पिणी को उनकी ‘नजिी राय’ बताया था□

दग्विजिय सहि ने □क साक्षात्कार में कहा था,‘हमारे यहां राष्ट्रपति शासन प्रणाली नहीं है□ कांग्रेस पार्टी चुनाव के पहले प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री पद के लि□ दावेदार नहीं घोषति करती□ कर्नाटक वधिानसभा चुनाव में भी हमने मुख्यमंत्री पद का दावेदार नहीं घोषति कयिा था□’ उनसे पूछा गया था कि राहुल गांधी को प्रधानमंत्री पद का दावेदार घोषति करने में कांग्रेस को संकोच क्यों है? क्यों उन्हें दावेदार के तौर पेश नहीं कयिा जाना चाहि□? पार्टी की ओर से प्रधानमंत्री का दावेदार कौन है?

इसके बाद जर्नादन द्ववविदी ने शनविार को कहा था कि लोगों की नजिी राय हो सकती है□ लेकनि ऐसे मुद्दों पर अंतमि फैसला पार्टी को ही करना है□ द्ववविदी ने कहा कि पार्टी ने जयपुर में जब राहुल गांधी को उपाध्यक्ष नयिुक्त करने की घोषणा की थी तो कहा था कि चुनाव प्रचार अभयिान और नेतृत्व का फैसला बाद में कयिा जा□गा□ उस समय कोई समय सीमा नहीं घोषति की गई थी□